B.M.A College Bahori Darbhanga (L.N.M.U)
BA (Hons) part-1 पेपर-1
Date 28.3.20
Dr Manoj Kumar sah
Deptt of pol-Sci

लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए शर्तें

(1) अच्छी शिक्षा-पद्धति → जिस देश में बहुत निरक्षर होते हैं वहाँ पर लोकतंत्र के लिए सफल होना कठिन हो जाता है क्योंकि लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए नागरिकों में अनेक गुण होने चाहिए और वे अच्छी शिक्षा के बिना उत्पन्न नहीं हो सकते हैं। लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए नागरिकों में राजनीतिक समस्याओं को समझने की बुद्धि, त्याग, सहानुभूति निःस्वार्थ रूप से देश की सेवा, अनुशासन, परोपकार और भ्रातृभाव आवश्यक है।

(2) सचेत नागरिकता → लोकतंत्र को सफल बनाने लिए यह परमावश्यक है कि नागरिकों को उसे अधिकारों और कर्तव्यों का ज्ञान होना चाहिए। जबतक नागरिक अपने कर्तव्य का पालन नहीं करते लोकतंत्र की सफलता का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता।

(3) राजनीतिक जागृति → यह आवश्यक है कि नागरिकों में राजनीतिक जागृति होनी चाहिए अर्थात उनकी राजनीतिक में उदासीनता न हो बल्कि अत्यधिक रुचि हो।

(4) स्वतंत्रता → लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए परमावश्यक है कि लोगों को भाषण, लेखन, घूमने फिरने, कोई भी काम धन्धा करने किसी धर्म को मानने और संस्थाएँ बनाने की स्वतंत्रता हो।

(5) समानता → यह बहुत जरूरी है कि सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक समानता स्थापित की जाए। कानून समक्ष सब व्यक्ति बराबर होने चाहिए और जाति, रंग, धर्म, लिंग, अमीर-गरीब इत्यादि के सब भेदभाव समाप्त होना चाहिए

(6) शान्ति और व्यवस्था → लोकतंत्र किसी भी देश में तभी सफल हो सकता है जबकि वहाँ की सरकार शान्ति और व्यवस्था पूर्ण रूप से बनाये रखे।

(7) सहयोग की भावना → प्रत्येक लोकतंत्र के सामने अनेक आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक समस्याएँ आती है।